give opportunity to other Members also. *(Interruptions)*... I have other subjects also. *(Interruptions)*... please. *(Interruptions)* ...

SHRI DIPEN GHOSH: *Sir,...(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: That is not to be raised here. *(Interruptions)*... It is not a subject to be raised here. *(Interruptions)*... Please hear the hon. Member. *(Interruptions)*... You have to hear the order of a lady now. *(Interruptions)*... I have given more than enough scope for expression. *(Interruptions)*... Please sit down. *(Interruptions)*... Please sit down. *(Interruptions)*...

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA (Uttar Pradesh): We are walking out in protest against the Government's economic policies. *(Interruptions)* ...

[At this stage some hon. Members left the Chamber]

MR. CHAIRMAN: Please withdraw quietly. *(Interruptions)*... Mrs. Satya Ba-hin, please listen to me. Mrs. Satya Bahin.

Re. ALLEGED LATHI-CHARGE ON CONGRESS WORKERS IN UTTAR PRADESH

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपका अभिनंदन करते हुए धन्यवाद देती हूं कि सदन में आपके सभापतित्व में मैं पहली बार बोल रही हूं। ...**(व्यवधान)**

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka) : It is unfair on the part of the opposition. Even when the Chair has ruled, the Chair has agreed and the Treasury Benches have agreed for a discussion, it is shameful on the part of the opposition that they have walked out without heeding the words of the chair.

[उपसभापति महोदया पीठासीन हुईं]

उपसभापति: सत्या बहिन आप किस विषय में बोल रही हैं?

श्रीमती सत्या बहिन: मैडम, मैं उत्तर प्रदेश... **(व्यवधान)**

उपसभापति: यह वाक आउट हो गया तो अब क्या बोलना है?

श्रीमती सत्या बहिन: मैडम, मैं उत्तर प्रदेश में भा०ज०पा० के राम राज्य और इंसाफ के बारे में बोल रही हूं।

उपसभापति: किस पर बोल रही हैं?... **(व्यवधान)** अच्छा, बोलिए-बोलिए।

श्रीमती सत्या बहिन: मैडम, उत्तर प्रदेश के हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं, वहां हालात बहुत विस्फोटक हैं...**(व्यवधान)**

उपसभापति: जी, पहले वह बोल लें, फिर आप बोलिए।

श्रीमती सत्या बहिन: मैं सदन का और केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं कि उत्तर प्रदेश के हालात बदतर हो रहे हैं, वहां की सरकार किस तरह से लोकतांत्रिक शक्तियों को बर्बरता से कुचल रही है। महोदया, देश की एकता और अखंडता के लिए शहीद होने वाली स्व० इंदिरा जी का जन्म-दिवस था 19 नवंबर को और उस दिन लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार की जन विरोधी साम्प्रदायिक नीतियों के विरोध में महोदया, भारतीय जनता पार्टी की सरकार का वहां तानाशाही हिटलरशाही है, यह हम सब लोगों का दुर्भाग्य है और वह सरकार अपनी बर्बरता और दंभ में देश को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने के लिए उत्तर प्रदेश को हिटलरी सरकार तैयार खड़ी हुई है पूरे देश के लिए। महोदया 19 नवम्बर के उस दिन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार की नीतियों के खिलाफ एक लोकतांत्रिक तरीके से हम लोगों ने विरोध प्रदर्शन के लिए आयोजन किया। महोदया, मैं आपकी अटेंशन चाहती हूं।

उपसभापति: हां, मेरी अटेंशन है। मेरे कान तो बिल्कुल आपकी तरफ थे।

श्रीमती सत्या बहिन: मैडम, यह बड़ा संवेदनशील मसला है, यह बहुत गंभीर मामला है। इसलिए मैं आपका ध्यान और सदन का भी ध्यान चाहती हूं...**(व्यवधान)** महोदया, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जब 19 तारीख को एक विशाल जलूस कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद जी के नेतृत्व में निकला, उसमें झंडेवाला पार्क में एक सभा हुई, सभा में करीब ढाई-तीन लाख लोग मौजूद थे। सभा के बाद

[श्रीमती सत्या बहिन]

महोदया, हम लोग जलूस की हालात में विधान सभा की ओर चले, जलूस शांतिपूर्ण था, किसी तरह का कोई टकराव नहीं, कोई तनाव नहीं, शांतिपूर्ण जलूस के रूप में हम लोग उत्तर प्रदेश विधान सभा की तरफ जा रहे थे। महोदया, रास्ते में दयानिधान पार्क के पास हम लोगों को रोक लिया और कोई भी वार्निंग नहीं, कोई भी चेतावनी नहीं और इस शांतिपूर्ण जलूस में जिसमें कि बड़ी तादाद में महिलाएं और बुजुर्ग स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आए हुए थे, पुलिस द्वारा हम लोगों पर लाठीचार्ज किया गया। महोदया, वहां बर्बरता का इतना नंगा नाच हुआ जिसका कि सबूत हमारा यह घायल हाथ है।

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात): गुजरात में भी कांग्रेस की सरकार ने महिलाओं को पीटा है और एक संसद सदस्य को मारा है।

उपसभापति: प्लीज-प्लीज।

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार): महोदया, यह कोई उत्तर नहीं है कि गुजरात में पीटा है तो वहां भी पीटा, इसलिए जो हुआ वह दोनों जगह गलत हुआ है।

उपसभापति: शंकर दयाल जी, जरा आप धीरज से काम लेंगे? यहां यह सवाल नहीं है कि गुजरात में मारा, महाराष्ट्र में मारा या यू०पी० में मारा। सवाल यह है कि क्योंकि वह इस हाउस की एक गण्यमान्य सदस्या हैं और अगर उनके साथ कोई अत्याचार हुआ है तो वह अपने तरीके से अपनी बात सदन के सामने रख रही हैं और इसमें आपको भी हमदर्दी होगी।

श्रीमती सत्या बहिन: महोदया, उस लाठीचार्ज के समय वहां कोई महिला पुलिस नहीं थी। वहां के सब बड़े अधिकारी भूमिगत हो गए थे। भारतीय जनता पार्टी की शह पर वहां के बड़े अधिकारी अपने नीचे के स्तर के पुलिसकर्मी अर्थात् सिपाही और दरोगा को पुलिसिया बर्ताव की बर्बरता दिखाने का आदेश देकर चले गए थे। महोदया, वहां हुए लाठीचार्ज में करीब सौ लोग घायल हो गए जिसमें कि 40 महिलाएं घायल हो गयीं और आज भी तमाम लोग अस्पताल में पड़े हुए हैं। महोदया, पुलिसकर्मी महिलाओं के पेट में लाठियां मारकर पीछे धकेल रहे थे। जब हम लोगों ने उनकी इस बर्बरता का विरोध किया तो हमारे ऊपर लाठियां चलायी गयीं।

महोदया, मैं आभारी हूं अपने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की जिन्होंने कि खुद कवच बनकर मुझे बचाया और अपनी पीठ पर लाठियां खायीं। मैं उन सभी कार्यकर्ताओं की जिनमें कि हिंदू और मुस्लिम दोनों भाई थे, हृदय से आभारी हूं।

महोदया, यह भारतीय जनता पार्टी के रामराज्य का एक बहुत ही घिनौना प्रमाण है जो पूरी भारतीय जनता पार्टी देश को सांप्रदायिकता की आग में झोंकने के लिए तैयार है। उसको केवल कुर्सी दिखायी देती है और वह कुर्सी के लिए कोई भी काम करने को तैयार है। उसके लिए जायज व नाजायज सभी काम जायज हैं। उस प्रदेश में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। वहां लोग इतने आतंकित है कि वे अपने रोजमर्रा का काम भी भूल गए हैं। वह सोचते हैं कि अगर वे आज अपने घर से दूसरी जगह जाएंगे या दूसरे प्रदेश में जाएंगे तो पता नहीं बीच में कहां सांप्रदायिक दंगा भड़क उठे और क्या हो जाय।

महोदया, मैं केन्द्र सरकार का और पूरे देश का ध्यान आकर्षित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के इन कुकृत्यों की भर्त्सना करती हूं और देश का आव्हान करती हूं कि सभी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक शक्तियों को चाहिए कि वे इनका पर्दाफाश करें और निंदा करें।

श्री सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश): महोदया, लखनऊ में 19 तारीख को जो जलूस निकाला गया था, उसमें मैं भी मौजूद था। मैं इस बात की गवाही देता हूं कि वह बिल्कुल ही अन-प्रवोक्ड गैदरिंग थी। उसके अंदर किसी तरह का प्रोवोकेशन नहीं था, लेकिन वहां सैकड़ों सिपाहियों ने एक साथ लाठीचार्ज किया जिसकी वजह से बहुत-से लोग घायल हुए। लोकतंत्र के अंदर, जैसाकि अभी कुछ माननीय सदस्यों ने वोट क्लब पर प्रदर्शन की बात कही, हम प्रदर्शन की महत्ता को समझते हैं। लेकिन जिस तरह से उत्तर प्रदेश सरकार प्रदर्शनकारियों से निपट रही है, उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही है, उसकी जितनी भी भर्त्सना की जाय, कम है। महोदया अभी एटवा में जोकि हमारे बस्ती जिले की एक इम्पोर्टेंट तहसील है वहां पर एक हजार कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को एक अहाते में बंद कर, उस अन-प्रवोक्ड मॉब की पिटायी की गयी। उसमें संसद सदस्यों को भी चोट आयी। मैं समझता हूं कि एक प्रदेश सरकार को इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए। जो लोग अधिकारों की बात करते हैं, उनके दूसरों के अधिकारों को भी सुरक्षा देनी चाहिए।

महोदया, मैं सत्या बहिन के इस जीरो अवर के मेंशन के साथ स्वयं को पूरी तरह से जोड़ता हूं और आशा करता हूं कि प्रदेश की सरकार होश में आएगी।

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश): महोदया, उत्तर प्रदेश में 19 तारीख को स्वर्गीया श्रीमती इन्दिरा गांधी जी के जन्म-दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार की विफलता, बढ़ती हुई सांप्रदायिकता, महिलाओं पर उत्पीड़न, अनुसूचित जातियों और जनजातियों पर होने वाले अत्याचारों और जो विकास के कार्य ठप्प पड़े हैं, उनको लेकर बहुत जबरदस्त रैली थी, लाखों की रैली थी। उस रैली में आए निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर जिस तरह से वहां की सरकार ने बर्बर लाठीचार्ज किया, उसमें बहुत सी महिलाएं घायल हुईं, जिसमें हमारी माननीय सदस्या सत्या बहिन जी भी एक थीं और हम लोग भी थे। काफी लोगों की वहां गिरफ्तारियां हुईं, करीब एक लाख लोगों की। इस तरह से वहां पर यह जो सारी चीजें हुई हैं, उसकी हम निन्दा करते हैं और चाहते हैं कि केन्द्र सरकार का इस ओर ध्यान जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जो सांप्रदायिकता के साथ होली खेल कर शांतिप्रिय नागरिकों पर, प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज करवाया गया है, उसके लिए कठोर से कठोर कार्यवाही होनी चाहिए ताकि जनतंत्र की रक्षा हो सके।...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: बैठिए यादव जी। ...**(व्यवधान)**...यादव जी, बैठिए। कृपया अपना स्थान ग्रहण करें।

श्री राम नरेश यादव: इस समय जो वहां सांप्रदायिकता की भावना फैलाई जा रही है, उस ओर ध्यान जाना चाहिए ताकि वहां सांप्रदायिक सद्भाव रह सके। इन्हीं शब्दों के साथ, सत्या बहिन जी ने जो बात कही है उसका भी मैं समर्थन करता हूं क्योंकि उस दिन वहां हमारे जैसे सांसद भी थे, दूसरे सारे लोग थे और सारे लोगों की गिरफ्तारियां हुई थीं। एक बार पुनः मैं माननीय मंत्री जी से चाहता हूं कि इस सदन में इस संबंध में वक्तव्य दें और प्रदेश सरकार के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही संवैधानिक ढांचे के अन्दर करें ताकि इस तरह की स्थिति भविष्य में न आने पाये। (धन्यवाद)

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार): मैडम,...**(व्यवधान)**...

उपसभापति: इसी बारे में आपको बोलना है?

श्री शंकर दयाल सिंह: जी। उपसभापति जी, मैं इस सम्बन्ध में एक बात जरूर कहना चाहता हूं। जो भी सत्या बहिन के साथ हुआ है, वह केवल सत्या बहिन जी के साथ ही नहीं हुआ है बल्कि उत्तर प्रदेश में इस तरह की हरकतें लगातार हो रही हैं। मैं बता रहा हूं, भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह जी के साथ, मैं तो था कहीं और, दूसरे संसद-सदस्य रामकूला जा रहे थे, उनके साथ इस तरह की घटना, इस तरह का अत्याचार हुआ और हम लोगों को जबरदस्ती देवरिया जेल में ले जाया गया।

माननीय महोदया, मैं यह कहना चाहता हूं कि सत्या बहिन जी, जिनके नाम के पहले ही सत्य शब्द लगा हुआ है, असत्य नहीं बोल सकतीं। ...**(व्यवधान)**... इससे बढ़कर शर्मनाक कोई भी हरकत नहीं हो सकती है। अब एक बहिन, दूसरे सत्य, तीसरे हमारे माननीय सदस्या, जब इनके प्रति इस तरह की हरकत हो सकती है तो मैं समझता हूं कि किसी के प्रति भी इस तरह की हरकत होगी। इसलिए मैं चाहता हूं कि इस मामले को गम्भीरता से लिया जाए। माननीय गृह राज्य मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं,... जगेश देसाई जी, जरा मेरी बात उन्हें सुनने दीजिए।...

उपसभापति: माननीय गृहमंत्री जी, जरा अपना ध्यान उनकी तरफ दें।

श्री शंकर दयाल सिंह: मेरा अनुरोध है, माननीय गृह राज्यमंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, सत्या बहिन जी के साथ या दूसरे लोगों के साथ जो कुछ भी हुआ है उत्तर प्रदेश में, उसकी जांच करवाएं और सदन में अपना वक्तव्य दें। इसके ऊपर कार्यवाही अवश्य करें।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति महोदया, लोकतंत्र में प्रदर्शन करना हर व्यक्ति का, हर पार्टी का अधिकार है, लेकिन जिस प्रकार से बर्बर लाठीचार्ज हुआ लखनऊ में सचिवालय के सामने, बिना कोई सूचना दिए और उसमें हमारी एक माननीय सदस्या सत्या बहिन जी घायल हुई हैं, यह बहुत ही गम्भीर विषय है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इस सारी घटना की जानकारी करके सदन को अवगत कराने की कृपा करें।

उपसभापति: मंत्री जी, जो सदन में कहा गया है, उस पर आप ध्यान दीजिए और सही जो बात है, वह बता दीजिए।

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार): मैडम,... **(व्यवधान)**

उपसभापति: आप भी यही चाह रहे हैं न, कि सही इतिला मिले?

श्री चतुरानन मिश्र: नहीं, नहीं, वह तो उस तरफ ध्यान देंगे, इस तरफ भी ध्यान देंगे। हमारा यह ख्याल है

[श्री चतुरानन मिश्र]

कि अपने सदन की एक सदस्या के साथ ऐसा हुआ है, इसलिए पार्लियामेंट के एक डेलीगेशन द्वारा इसकी जांच करवाएं, जिसमें हमारा अनुरोध है कि हमारे बी०जे०पी० के भी सदस्य हों...(व्यवधान)...

श्री संघप्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश): मैडम, हमें यह पूछने की इजाजत दी जाए...(व्यवधान)...

उपसभापति: चतुरानन मिश्र जी यही कह रहे हैं आप भी जान जाएं।...(व्यवधान)...

श्री चतुरानन मिश्र: पहले आप सुन लें। हमारा कहना यह है कि चूंकि सदन के एक सदस्य के साथ ऐसा हुआ है, इसलिए सदन की गरिमा को देखते हुए, हमारे माननीय सदस्यों के विशेषाधिकार को देखते हुए यहां से एक कमेटी तैनात करें।...(व्यवधान)...

श्री संघप्रिय गौतम: मैडम,...(व्यवधान)...

उपसभापति: गौतम जी, एक सेकेण्ड।

श्री चतुरानन मिश्र: एक कमेटी को तैनात करें, जो सारे काम की जांच करे। हमारा यह अनुरोध है। मंत्री जी तो यहां जो कहते रहेंगे, सुनते रहेंगे।...(व्यवधान)...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश): महोदया, यह जो कुछ सत्या बहिन जी को चोट लगी है, उसके विषय में तो कोई यह कह नहीं सकता कि अच्छा नहीं हुआ...(व्यवधान)...यह नहीं कह सकता कि अच्छा हुआ।...(व्यवधान)...

उपसभापति: आपने उन्हें डरा दिया तो गलत बात कह रहे हैं।...(व्यवधान)...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: इस प्रकार के प्रदर्शन हम सब लोग करते रहे हैं। यह राजनीतिक प्रक्रिया है और कभी कोई ऐसी सरकार बची नहीं है, जिसके तहत कोई न कोई पार्टी का आदमी चोट न खाया हो। लेकिन सत्या बहिन को चोट लगी है। यह कैसे हुआ, क्यों हुआ इसकी जानकारी लेनी चाहिए। परन्तु इतनी बात मैं कह दूं कि आज उत्तर प्रदेश में जितने डेमोन्स्ट्रेशन्स हो रहे हैं, किसी भी दल से हो रहे हैं, जो कुछ भी हो रहा है, उसके पीछे एक मकसद है कि उत्तर प्रदेश की सरकार को बर्खास्त किया जाए। मैं स्वागत करता हूं और अगर हिम्मत है केन्द्र सरकार में और चाहते हैं तो आप बर्खास्त कीजिए, हमें कोई एतराज नहीं है।...(व्यवधान)...

श्री सैयद सिब्ते रज़ी: मैडम, यह संसद सदस्यों के विशेषाधिकार का सवाल है।...(व्यवधान)...जो संसद सदस्यों के विशेषाधिकार का सवाल है उनको प्रदर्शन करने का अधिकार है, उनको अपनी आवाज उठाने का अधिकार है, उनको अपनी जनता की समस्याओं को उठाने का अधिकार है...(व्यवधान)...

•

†شری سید سبط رضی :- میڈم یہ
سنسد سدسیوں کے وشیش ادھیکار
سوال ہے ــ ... " مداخلت "
سنسد سدسیوں کے وشیش ادھیکار
سوال ہے۔ اُن کو پردرشن کرنے کا
ادھیکار ہے۔ اُن کو اپنی آواز اُٹھانے
ادھیکار ہے۔ اُن کو اپنی جنتا کی
سیاؤں کو اُٹھانے کا ادھیکار
ہے ... " مداخلت " ...

श्री राम नरेश यादव: पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं।...(व्यवधान)...मैडम, गलत बात पर पर्दा डालना चाहते हैं।...(व्यवधान)...

श्री सैयद सिब्ते रज़ी: बयानात आ रहे हैं। यह जो साजिश है सरकार को बर्खास्त करने की ...(व्यवधान)...

شری سید سبط رضی :- بیانات
آرہے ہیں۔ یہ جو سازش ہے سرکار
کو برخاست کرنے کی ..." مداخلت "

उपसभापति: सिब्ते रज़ी साहब, बैठिए।...(व्यवधान)...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर: यह बात एक साजिश है सरकार को बर्खास्त करने की।...(व्यवधान)...

†(Transliteration in Arabic Script.]

उपसभापतिः प्लीज़, माथुर साहब !... **(व्यवधान)**... .प्लीज़, आप बैठिए। ...**(व्यवधान)** ..प्लीज़। देखिए, सवाल यहां यह नहीं है। ...**(व्यवधान)**...मैं बताती हूं, जरा एक सैकिंड आप रुकेंगे तो। सत्या बहिन इस हाउस की सदस्या हैं, उनके हाथ में चोट लगी है, वह सब देख रहे हैं, पट्टी बंधी हुई है। प्रदर्शन तो आज भी हो रहा है और प्रदर्शन करना सबका अधिकार है—आपका भी, सारी पार्टियों के लोगों का भी और जो पार्टी में नहीं हैं उनका भी अधिकार है प्रदर्शन करना। सवाल यहां एक मैम्बर की सेफ्टी का है।...**(व्यवधान)**...

श्री संघ प्रिय गौतमः किन परिस्थितियों में?

उपसभापतिः परिस्थिति कोई भी हो। गौतम साहब, परिस्थिति कोई भी हो तो जान से तो नहीं मार देना चाहिए न। ...**(व्यवधान)**...

श्री राम नरेश यादवः ये तो वहां थे ही नहीं।

उपसभापतिः गौतम जी, माथुर साहब की बात आप क्यों बिगाड़ रहे हैं? उन्होंने ठीक कहा कि जानकारी होनी चाहिए क्योंकि यहां हाउस में विवाद है। आप समझते हैं कि प्रदर्शन गलत तरीके से हुआ और सत्या बहिन तथा उनके साथी कहते हैं कि प्रदर्शन बड़ी खामोशी के साथ हुआ था, अच्छे सुकून के वातावरण में हुआ और प्रवोक करके खाली लाठीचार्ज हुआ। इसका फैसला मैं तो दे नहीं सकती हूं, सदन भी नहीं दे सकता है, इसकी जानकारी हमारे मंत्री जी यहां बैठे हैं मिनिस्टर आफ स्टेट फार होम, मिस्टर जैकब will find out and give the information to the House. I don't know whether Mrs. Satya Bahin has given a notice of privilege. If she has given a notice of privilege, then naturally the Chairman will look into it and the Committee of Privileges, of which you are all the Members, I mean in which the whole House is represented, will look into it. Now that matter is closed...*(Interruptions)*

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र)ः उपसभापति महोदया, आपने मुझे कहा था।

उपसभापतिः अभी उस मामले पर नहीं बोलेंगे। कोई दूसरी बात है?

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Madam, I have raised an issue yesterday when we were mourning the death of Shri Raoof Valiullah that it was very unfortunate that one of our colleagues was murdered in a cold blooded manner. He was here with us and had taken part in so many debates. He was murdered in broad daylight. It is a case of concern to all of us. as his former colleagues here. Madam, we would like to know as to what the shape of enquiry is that is going to be held by the State Government. And this is not the first political murder in Gujarat. There have been other murders also. Wc would like to have a statement from the Minister whether there has been a demand for a CBI enquiry and whether the Government will agree to a CBI enquiry. We would like the Home Minister to make a statement on this issue.

SHRI PRAMOD MAHAJAN. The whole House supports this.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (बिहार)ः महोदया, कलमाडी जी ने जो मुद्दा उठाया है उसका पूर्ण समर्थन करते हुए मैं कहना चाहता हूं कि रऊफ वलीउल्लाह एक पूरे कमिटेड सैक्युलर पार्लियामेंटेरियन थे, बहुत बड़े समाज-सेवी थे, ऐजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़े हुए थे और उनके बारे में तो जानकर बड़ा आश्चर्य होता है लोगों को कि उनकी धर्म पत्नी हिन्दू परिवार से थीं। वे घर में एक ऐसी स्थिति बनाकर रखते थे कि घर में एक तरफ मूर्ति की पूजा होती थी तो दूसरी तरफ कुरान शरीफ की इबादत भी होती थी। वे जीते-जागते स्रोत थे सैक्युलरिज्म के। उनके साथ जो यह घटना घटी है और खासकर गुजरात में जो घटनाएं घट रही हैं, पालिटिकल नेताओं की हत्याएं हो रही हैं, यह मैं मांग करूंगा और मैं सुरेश कलमाडी जी के साथ पूरी सहमति रखते हुए मांग करता हूं कि इसकी सी॰ बी॰ आई॰ से इन्क्वायरी कराने की जरूरत है। सी॰बी॰आई के माध्यम से पता लगाने की जरूरत है कि राज्य सरकार वहां पर क्या कर रही है और किस तरह से मदद कर रही है और उसके साथ-साथ वहां पर जो फंडामेंटलिस्ट एलिमेंट हैं और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले जो लोग हैं वे तरह-तरह के झंडे, तरह-तरह के स्लोगन लेकर बगावत के झंडे फहरा रहे हैं, गांव-गांव में आग लगाई जा रही है उसको रोकने की जरूरत है और उसके लिए मैं सी॰बी॰आई॰ इंक्वायरी कराने की मांग करता हूं।

श्री शंकर दयाल सिंह : निश्चित रूप से यह गंभीर मामला है और हम लोग इसकी जांच की मांग करते हैं...**(व्यवधान)**

श्रीमती सत्या बहिनः इसकी सी॰बी॰आई॰ इंक्वायरी होनी चाहिए मैडम....(**व्यवधान**)

श्री सिकन्दर बख्तः सदर साहिबा, सुरेश कलमाडी साहब ने जो सवाल उठाया है, मैं अपने आपको खुले दिल से उसके साथ वाबस्ता करता हूं। बहुत खतरनाक सिलसिला शुरू हो चुका है मुल्क में। सियासी लोगों पर इस किस्म के हमले होना नामुनासिब बात है और बदकिस्मती यह है कि इस कदर दर्दनाक हादसे के बाद भी हम कहीं-कहीं इस किस्म के अलफाज जो कह देते हैं जिसमें कोई सियासी पहलू निकलता है वह अफसोसनाक है। रऊफ साहब की जिस तरीके से हत्या हुई है वह हम सबके लिए चिंता का विषय है उसके बारे में मालूम होना चाहिए और आइंदा की इंक्वायरी क्या करनी है, पहले तो हमें ये मालूम होना चाहिए कि अब तक की जानकारी क्या है, वह अभी हमारे सामने आनी चाहिए। कुछ तो हुआ होगा मालूम, तो वह मालूम होना चाहिए और सियासी दायरों से बाहर निकलकर इस बात को सोचना चाहिए कि इस किस्म के हमले जो सियासी लोगों पर होते हैं, कौन करता है, किस तरीके से करते हैं, इस सबके लिए हम मिलकर क्या कर सकते हैं।

†شری سکندر بخت : ۔صدر صاحبہ۔ سریش کرہاڈی صاحب نے جو سوال اُٹھایا ہے ۔ میں اپنے آپ کو کھلے دل سے اس کے لیے وابستہ کرتا ہوں۔ بہت خطرناک سلسلہ شروع ہو چکا ہے ملک میں ۔ سیاسی لوگوں پر اس قسم کے حملے ہونا نامناسب بات ہے اور بدقسمتی یہ ہے کہ اس قدر دردناک حادثے کے بعد بھی ہم کہیں کہیں اس قسم کے الفاظ کہہ دیتے ہیں جس میں سیاسی پہلو نکلتا ہے وہ افسوسناک ہے ۔ رؤف صاحب کی جس طریقے سے ہتیا ہوئی ہے وہ ہم سب کے لئے چنتا کا وشے ہے ۔ اس کے بارے میں معلوم ہونا چاہئے اور آئندہ کی انکوائری کیا کرنی ہے ۔ پہلے تو ہمیں یہ معلوم ہونا چاہئے کہ اب تک جانکاری کیا ہے ۔ وہ ابھی ہمارے سامنے آنی چاہئے ۔ کچھ تو ہوا ہوگا معلوم ۔ تو وہ معلوم ہونا چاہئے اور سیاسی دائروں سے باہر نکل کر اس بات کو سوچنا چاہئے کہ اس قسم کے حملے جو سیاسی لوگوں پر ہوتے ہیں۔ کون کرتے ہیں ۔ کس طریقے سے کرتے ہیں۔ اس سب کے لئے ہم مل کر کیا کر سکتے ہیں ۔

उपसभापतिः ये जो मसला है, यह जो मसला रऊफवलीउल्लाह साहब का है, बड़ा गंभीर है। यह इस हाऊस के सदस्य थे। उल्लास से भरे हुए भाषण आज भी आपके कानों में गूंजते होंगे। मुझे यकीन है कि राज्य सरकार जरूर इंक्वायरी कर रही होगी। मैं होम मिनिस्टर साहब से कहूंगी ये पूरे हाऊस की युनैनिमस अपील है कि आप जो भी समर्थन स्टेट गवर्नमेंट को दे सकते है सेंटर की तरफ से वह दें ताकि जो कल्प्रिट है उनको पकड़ा जाए...(**व्यवधान**) आप स्टेट गवर्नमेंट को समर्थन दीजिए और अभी तक जो कुछ हुआ है इसकी भी जानकारी दीजिए।

†*[Transliteration in Arabic Script.)

SHRI SURESH KALMADI: There must be a statement by the Home Minister. He was a Member of this House earlier.

श्री राम नरेश यादव: वह इस हाऊस के सम्मानित सदस्य थे...**(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन: उपसभापति महोदया, अभी आप औरों को भी अवसर दीजिए...**(व्यवधान)**

उपसभापति: नहीं अभी मैंने कह दिया ..**(व्यवधान)** यादव जी, जब चेयर से कह दिया, मंत्री जी ने हामी भर ली तो मतलब ये गंभीर ही है..**(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन: उपाध्यक्ष महोदया, मैं बहुत समय से आपकी अनुमति मांग रहा हूं...**(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow you...*(Interruptions)*...

SHRI SURESH KALMADI: Madam, the Minister is replying.

उपसभापति: मंत्री जी आप कुछ कहेंगे?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI MM. JACOB): Madam, regarding the matter raised in Shri Raoof Valiullah's case, I only got up to express and to share the feelings of the House along with you. I assure you that I will get the correct information and then come before the House.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Good. thank you.

श्री प्रमोद महाजन: उपसभापति महोदया, आज सुबह जो संसद के कागज मुझे मिले हैं उन कागजों में लोक सभा सचिवालय की ओर से एक कागज मुझे मिला है और शायद सभी सदस्यों को यह मिला होगा। इसका विषय है—"संसद सदस्य का निर्वाचन क्षेत्र भत्ता, इसके संबंध में होनी वाली वृद्धि"। इसके संबंध में ये कहा गया है कि इस बारे में जो संयुक्त समिति है उन्होंने अपनी बैठक में संसद सदस्यों के निर्वाचन भत्ते को कुछ बढ़ाने का निर्णय लिया है। संसद सदस्य को जो भी निर्वाचन भत्ता मिलता है वह पर्याप्त है, अपर्याप्त है, उसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए, नहीं होनी चाहिए, कितनी होनी चाहिए, इस विषय पर जरूर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है लेकिन सबसे पहली मेरी इस कागज पर आपत्ति यह है कि जो भी निर्णय इस समिति के द्वारा किया गया होगा, उस निर्णय के प्रति संसद सदस्य की ओर से हस्ताक्षर मांगे गए हैं।

SHRI SURESH KALMADI: Very unfortunate. It is very unfortunate, Madam.

श्री प्रमोद महाजन: क्या निर्वाचन भत्ता बढ़ाने के लिए, 3000 से 4250 रुपए करने के लिए आप सहमत हैं या नहीं हैं? सामने ही लिखा है...

SHRI SIKANDER BAKHT: Very awkward.

श्री प्रमोद महाजन: मैं इसमें नहीं बढ़ाने की बात नहीं कर रहा हूं लेकिन मान लीजिए संसद सदस्य न होकर किसी संस्था का कर्मचारी है तो उस संस्था का मालिक उसको पूछता है कि क्या आपकी तनख्वाह बढ़ानी है या नहीं बढ़ानी है। यहां पहले ही जो संसद सदस्य को वेतन और भत्ते मिलते हैं उनके संबंध में जनता के मन में अनेक प्रकार की आशंकाएं हैं, जिस प्रकार की पद्धति है उसके कारण और जब भी संसद सदस्य के वेतन और भत्ते बढ़ जाते हैं तब कोई न कोई समस्या खड़ी होती है। इसलिए अगर इस प्रकार से हां या ना या क्या सुझाव है इस प्रकार की जो प्रश्न-सूची है मैं यह मानता हूं कि संसद सदस्यों का अपमान करने वाली, अपमान-जनक सूची है। इस प्रकार से सूची भेजकर संसद सदस्य का अभिमत लेकर कुछ हां कहें, कुछ ना कहें, ना कहने वाले हों तो कानून है उसके अनुसार होगा, मुझे लगता है कि यह सारा कागज अपमानजनक है, इस कागज को वापस लिया जाना चाहिए।

इसके साथ ही मैं एक सुझाव और जोड़ देना चाहता हूं कि संसद सदस्य को स्वाभाविक रूप से वेतन और भत्ते मिलते हैं, समय-समय पर उन पर पुनर्विचार होने की आवश्यकता भी होती है लेकिन हमारी पद्धति दुर्भाग्य से यह है कि हमारे वेतन और भत्ते हम ही लोग बढ़ाते हैं। कानून जो बना है उस कानून के अंतर्गत हमको ही वेतन बढ़ाने का अधिकार है। स्वाभाविक रूप से जनता के मन में इसके कारण यह गलतफहमी फैलती है, हमेशा यह चर्चा होती है कि संसद सदस्य अपने वेतन और भत्ते बढ़ा लेने की कोशिश करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि कुछ देशों में संसद सदस्यों के वेतन और भत्तों को या तो महंगाई निर्देशांक से या किसी पे कमीशन या किसी स्पेशल कमेटी से जोड़ दिया गया है जिसके कारण हर बार संसद सदस्यों को महंगाई होने के

[श्री प्रमोद महाजन]

कारण मांग करनी पड़े, यूनियन बनानी पड़े, मैमोरंडम देना पड़े, लिखकर मांगना पड़े, इस प्रकार की संसद सदस्यों की स्थिति बहुत ही दयनीय इस विषय में बने, उन लोगों के लिए यह अपमानजनक और दयनीय है। मैं मांग करता हूं कि इसके लिए कुछ उचित व्यवस्था निर्माण करनी चाहिए और उसके साथ-साथ इस पत्रक को वापस लेना चाहिए।...**(व्यवधान)**

SHRI SURESH KALMADI: Madam, I associate myself with what Mr. Pramod Mahajan has said. This circular should be withdrawn. This is very insulting. It is very insulting that we should sign such a thing. It should immediately be withdrawn.

उपसभापति: जो कमेटी पार्लियामेंट के सदस्यों के वेतन के विषय में विचार रखती है, मुझे यकीन है कि उस कमेटी में हर पार्टी के सदस्यों का रिप्रजन्टेशन होगा और अगर किसी कमेटी ने कोई निर्णय लिया है तो उस पार्टी के ऊपर लागू हो जाता है। पता नहीं किन बजूहात से यह कागज आया है। इसके बारे में मुझे जानकारी नहीं है। हमारे पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर साहब बैठे हैं, वह इसकी जानकारी करके आपको जो भावनाएं हैं, जहां जानी चाहिए वे पहुंचा देंगे। अब हम लोग आगे बढ़ें।...**(व्यवधान)**

जैकब साहब आप कुछ कहना चाहते हैं?...

SHRI MM. JACOB: Madam, Mr. Mahajan has made a point. Let mc look into it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jacob says that he will look into it. Now, Mr. Fcrnandes.

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam, the National Assembly of Pakistan passed a resolution on an internal matter of ours. That resolution has not only sought to misguide the international community but also to incite communal passions within the country. *(Interruptions)* Madam, I am referring to the resolution passed by the National Assembly of Pakistan which pertains to an internal matter of our country. *(Interruptions)*

उपसभापति: जरा ध्यान से सुनिए वह अहम मसले की तरफ सदन का ध्यान खींच रहे हैं।

SHRI JOHN F. FERNANDES: I feci, Madam, it is highly improper, unethical and against the spirit of the Shimla Agreement. Madam, there cannot be any better spirit of secularism than the deity of Lord Rama being worshipped in a masjid. So, Madam, I feel that this House should see that such references arc not made in future. And we should send a proper message to Pakistan.

श्रीमती कैलाशपति (उत्तर प्रदेश): मैडम, उत्तर प्रदेश की गवर्नमेंट राम के नाम पर आई है...

उपसभापति: वह तो हो गई। **(व्यवधान)**

श्रीमती कैलाशपति: मेरी बात तो सुन लीजिए। उत्तर प्रदेश की गवर्नमेंट राम के नाम पर आई...

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) : उन्होंने मिसयूज किया है राम के नाम को।

श्रीमती कैलाशपति: आज क्या हो रहा है कि उत्तर प्रदेश में सौन्दर्यकरण हो रहा है। सौन्दर्यकरण के अन्तर्गत राम के मन्दिर गिराये जा रहे हैं। अयोध्या के मन्दिर की लड़ाई लड़ रहे हैं जबकि लखनऊ में सौन्दर्यकरण के कारण मन्दिर गिरा दिये हैं और मस्जिदों की दीवारें भी गिरा दी है। जो गरीब लोग झोंपड़ी में रहते थे उनको भी उजाड़ दिया है। आज वे बेघरबार हो गये हैं। उनको कोई नौकरी भी नहीं दी जा रही है और दुबारा दुकान खोलने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जा रही है। चाहे हरिजन हों या कोई भी हो सब के ऊपर अत्याचार कर रहे हैं। ऐसी गवर्नमेंट के खिलाफ एक जांच बैठानी चाहिए। अभी हमारी सत्या बहिन के साथ हुआ। हमारी एक बस्ती की बहन थी उसके पेट पर लाठी मारी गई, वह बेहोश हो गई और उसको ग्लूकोस चढ़ा है। एक कानपुर का लड़का था उसका हाथ फट गया। उसके हाथ में कम से कम दस टांके लगे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए।

उपसभापति: मंत्री जी ने यह आश्वासन हाऊस को दिया है कि वह जांच कराकर हाऊस के सामने रिपोर्ट देंगे।

श्रीमती कैलाशपति: जो इस तरह से मन्दिर गिराये जा रहे हैं उन पर रोक लगाई जाए। किसी तरह से भी मन्दिरों को न गिराया जाए। झोंपड़ी भी किसी की न गिराई जाए। दो-दो मंजिलें बिल्डिंग जिन्होंने अपने मेहनत का पैसा लगा कर खड़ी की है उनको भी न गिराया जाए। ऐसी बिल्डिंगों को इन्होंने बुलडोजर चलाकर गिरा

देया है। लालजी टंडन जी ने उ० प्र० का बुरा हाल कर रखा है।

श्री मूलचन्द मीणा (राजस्थान): मुझे भी एक बात कहनी है।

उपसभापति: आप किस विषय पर बोलना चाहते हैं, लंच टाइम हो रहा है।

श्री मूलचन्द मीणा: देश की आजादी के बाद देश के अंदर जनतंत्र को लागू किया गया था। जनतंत्र की व्यवस्था के अंदर देश का शासन के लिए संसद का गठन किया गया था। राज्य का शासन चलाने के लिए विधान सभाएं बनाई गई थीं। गांव के विकास के लिए ग्राम पंचायतों का गठन किया गया। आज राजस्थान के अंदर लोकतंत्र की व्यवस्था है ग्राम पंचायतों की ग्राम के विकास के लिए। भारत गांव का देश है। गांव का विकास पंचायतों के माध्यम से होता है। लेकिन राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा ग्राम पंचायतें, पंचायत समितियां, जिला परिषदों को भंग किये दो साल हो गये हैं। सरकार चुनाव नहीं करा रही है। इसका कारण यह है कि इन्होंने इन दो सालों के अंदर गांव की जनता के साथ न्याय नहीं किया है। उनका विकास नहीं किया है। राजस्थान में यदि ग्राम पंचायतों के चुनाव करा दिये गये तो निश्चित ही कांग्रेस के सरपंच, कांग्रेस की जिला परिषदें आ जायेंगी। इसी डर से राजस्थान की सरकार ने चुनावों की झूठी घोषणा कर दी है। अभी 13 दिसम्बर को घोषणा की थी लेकिन कल राजस्थान के मुख्य मंत्री ने उस घोषणा को वापिस कर लिया।

उपसभापति: आपने जो बोला है वह नोट हो गया होगा।

Now the House stands adjourned for lunch till 2.30 p.m.

The House then adjourned for lunch at thirty-four minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirty-two minutes past two of the clock, The-Vice Chairman (Shrimati Jayanthi Natarajan) in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): We will now take up special mentions.

SPECIAL MENTIONS

Need to take steps for modernisation of IISCO, Burnpur and of prevent dismemberment in IISCO, Kulti

SHRI SUNIL BASU RAY (West Bengal): I thank you for the opportunity you have given to me.

My special mention is on the question of modernisation of IISCO which is becoming complicated day by day. The Ministries of Steel and Finance are using it as a shuttle cock. The future of steel industry in the region is becoming bleak. IISCO Kulti is also being planned for dismemberment. Several thousands of workers will, as a result, lose employment. Immediate action to modernise IISCO, Burnpur and to prevent dismemberment of IISCO, Kulti is needed. As the matter rests with both the Ministries of Finance and Steel, Prime Minister should intervene.

Madam, the future of IISCO has been hanging in the air for several months and the Government has not taken any decision whether it will go to the private sector or will remain in the public sector. The workers have demanded that it should remain in the public sector. There is no justification to send it back to the private sector which is responsible for its sickness. The time has come when the Government should act immediately and take a decision. The Government has made so many proposals to the private sector and offered to wipe out the loans and other liabilities but still the private sector has not come out to accept it. So, I demand on behalf of the workers, on behalf of the people of the area and on the behalf of the rally that has been organised at the Boat Club, that IISCO and similar other sick industries should be immediately revitalised and the Government must take immediate steps so that these industires should get back their health. Thank you.